आज का पुरुषार्थ 17 June 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" हम सूर्य तुल्य है, सूर्य समान इस जगत को प्रकाशित करने वाले .. इस स्वमान से आज स्वयं को सजाना है "*

हम भगवान के बच्चे है। उसने हमें अपने वरदान देकर, अपने आशीर्वाद देकर, अपनी शक्तियाँ देकर महान कार्य के लिए निमित्त बना दिया है।

हमारे संस्कारों को भी बहुत royal कर दिया है। बार-बार याद दिलाया है, **अहम्** योगियों का सबसे बड़ा शत्रु है। यदि तुम ' **मैं पन और अहम्** ' के फेरे में रहेंगे तो तुम्हारी स्थिति में दिव्यता कभी नहीं आ पायेगी।

जिनके अंदर अहम् बहुत होता है वह सेवाओं के फ़ील्ड में छोटी छोटी बातों में टकराते रहते है। और **सेवा** में टकराना माना सेवा की result को समाप्त कर देना।

हम दुसरों को **शान्ति** देने के लिए, **सुख** देने के लिए, **प्रभु पैगाम** देने के लिए सेवायें करते है। परन्तु यदि हम टकराव में रहते है तो यह तीनों कार्य कदापि नहीं हो सकता है।

क्योंकि मुख्य सेवा हमारे vibrations से होते है। मुख्य सेवा हमारे चेहरे से अर्थात हमारी स्थिति से होती है।

और जब **अलौकिक वायब्रेशन्स** ही नहीं रहेंगे तो देवकुल की आत्माओं को वहाँ का आकर्षण होगा ही नहीं। लोग अच्छा अच्छा कहकर वापिस चले जायेंगे और हमारी सेवायें सफल नहीं होगी।

जो टकराव में रहते है उनका तो **योग** भी नहीं लगता। उन्हें तो खुशी भी नहीं रहती। **प्रभु मिलन** का नशा ही उनका लोप हो जाता है।

इसलिए निश्चय करे अपने अहम् को समाप्त करके अब से हम टकराव से मुक्त जीवन व्यतीत करेंगे। बाबा ने हमें कितने सारे महान **स्वमान की याद दिलाये है।** हमारी value की हमें **स्मृति** दिलाये है।

बहुत सुन्दर महावाक्य बाबा कहे है ...

" तुम हो इस धरा के सूर्य तुल्य .. सूर्य से सारा जग प्रकाशित होता है .. तुम्हारे प्रकाश से भी सारा जग प्रकाशित हो रहा है ..

और यह मान शान है टिमटिमाते हुए दीपक .. जो थोड़ी थोड़ी रोशनी दे रहे है .. कभी जलते है कभी बुझते है ..

तुम सूर्य समान इन दिपकों से प्रकाश लेने का तुच्छ संकल्प न करो "

कितनी सुन्दर बात है। हम अपने महान स्वमान में आ जाये। यह मान सम्मान हमारे थोड़ा बहुत मान बढ़ा सकते है। हमारी महिमा हो सकती है। हमारा नाम हो सकता है।

लेकिन हम संसार को प्रकाशित नहीं कर पायेंगे। इसलिए हमें बाबा ने बहुत बड़ा काम दिया है ...

" तुम सूर्य तुल्य हो .. संसार को प्रकाशित करने वाले "

याद करे .. बाबा ने कितना **मान** बढ़ाये है ! हमारे चित्त के अंधकार को न केवल दूर किया है बल्कि इतना प्रकाशित कर दिया है कि हमारा **प्रकाश** संसार तक फैल जाये।

संसार से **विकारों** का और **अज्ञान** का अंधकार लोप होने लगे। तो हम सभी आज सारा दिन याद करेंगे ...

" मैं सूर्य तुल्य हूँ .. बहुत तेजस्वी आत्मा .. मुझसे चारों ओर प्रकाश ही प्रकाश फैलता है "

जैसे सूर्य को आसमान में देखे कितना तेजस्वी !

" मैं आत्मा भी उतनी ही तेजस्वी हूँ .. सारा संसार मानो मुझे निहार रहा है .. मुझसे प्रकाश प्राप्त कर रहा है "

इसी स्मृति के साथ आज के दिन को सम्पूर्ण सफल करेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org